<u>अनिता जी कि पहचान</u>

अनिता जी एक गृहणी है जो मध्यम वर्गीय परिवार से है। तिहाड़ गांव में अपने सास ससुर जी के बड़े परिवार के साथ रहती हैं। इनका एक बेटा है जो अब चौथी कक्षा में नगर निगम के स्कूल में पढ़ता है। अनिता जी के पति कोई व्यवसाय नहीं करते हैं। अनिता जी एक पढ़ी लिखी महिला हैं यह सिलाई बहुत अच्छा करती हैं इनका सपना था इनका अपना एक बुटीक हो जिससे यह अपने सपनों को ऊंची उड़ान दे सके।

परन्तु शादी के बाद उन्हें ऐसा करने के लिए मना कर दिया गया। उन्हें पति की तरफ से भी सहयोग नहीं मिला। जिसके कारण वह अपने लिए नहीं बोल पाई और उन्होंने मान लिया कि परिवार के सभी स्त्रियों की तरह घर पर ही रहना है।

एक दिन वह अपने बेटे के स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग में गई जहां साझा की मीटिंग हो रही थी उन्होंने मीटिंग को सुना। अपने बच्चे की पढ़ाई में किस तरह मदद कर सकती हैं वो जाना, घर की वस्तुओं से बच्चों को कैसे सिखा सकते हैं ये जाना पूरे दिन में आधा घंटा कैसे अपने बच्चे की पढ़ाई में मदद करें।
वह साझा के साथ जुड़ी वाट्सअप पर अपना रजिस्ट्रेशन करवाया। साझा की सर्विस लेने लगी।

उन्होंने बताया किस तरह साझा की पहली कॉल के माध्यम से उन्हें अपने बच्चे का हिंदी, गणित का लेवल पता चला ।
और अब वह अपने बच्चे के लेवल अप करने के लिए।

- रोज़ बच्चे को आधा घंटा पढ़ाई में मदद करना।
- साझा की कॉल सपोर्ट को महीने में एक बार बात कर पाना। अपने बच्चे में सुधार देख पाना ।
- बच्चे कि कक्षा अध्यापिका से बात करना।
- घर का टाईम टेबल बनाना।
- बच्चे के साथ घर में अलग अलग गतिविधियां करना।

<u>आज के समय में वह साझा के साथ जुड़ी हुए हैं स्कूल की एक्टिव पेरेंट्स है स्कूल में **smc** मेंबर् भी है और अपने साथ साथ अपने समुदाय के सभी अभिभावकों को भी जागरूक करती</u> हैं।
इनका कहना है। इनमें बहुत बदलाव आया है साझा के साथ जुड़ने से और वह इसी तरह जुड़ी रहेंगी उनको सीखने का अवसर इसी तरह मिलता रहे,🙏।